



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 92]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 10, 2016/माघ 21, 1937

No. 92]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 10, 2016/MAGHA 21, 1937

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 2016

**सा. का. नि. 157(अ).—** कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसमें केंद्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा-5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वायुयान नियम, 1937 में और संशोधन करने का प्रस्ताव करती है, जिसे उक्त अधिनियम की धारा-14 की अपेक्षानुसार ऐसे व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियों को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराए जाने की तारीख से तीस दिन की अवधि के पश्चात उक्त प्रारूप पर विचार किया जाएगा;

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हो, तो उसे महानिदेशक नागर विमानन, सफदरजंग हवाईअड्डा के सामने, नई दिल्ली-110003 को भेजे;

उक्त विनिर्दिष्ट अवधि के समाप्त होने से पूर्व उक्त प्रारूप नियमों के बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त आक्षेप या सुझाव पर केंद्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

**प्रारूप नियम**

- (क) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (संशोधन) नियम, 2016 है।  
(ख) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- वायुयान नियम, 1937 में (इसमें इसके पश्चात उक्त नियम कहा गया है), अनुसूची II में, ———  
(क) अनुभाग ज में, ———

(i) पैरा 5 के पश्चात्, निम्नलिखित पैरा को अन्तः स्थापित किया जाए, अर्थात:-

“5क. प्रवीणता जांच -----

(क) परिवहन विमान जिसका संपूर्ण सर्वाधिक भार पांच हजार सात सौ किलोग्राम से अधिक है, के सह- विमान चालक के रूप में कार्य करने के लिए अनुज्ञप्ति धारक से अपेक्षा की जाती है कि वह उड़ान किए जाने वाले टाइप विमान के बाबत समुचित प्रवीणता जो महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, की जांच कराए।

(ख) पैरा (क) के अनुसार की गई प्रवीणता जांच उस जांच की तारीख से छह मास की अवधि के लिए विधिमान्य होगी और इसका नवीकरण छह मास की और अवधि के लिए किया जा सकेगा।

(ग) नवीकरण की दशा में, विधिमान्यता की अवधि पूर्ववर्ती विधिमान्यता की समाप्ति की तारीख से आरंभ होगी परंतु यह तब जब कि यह जांच उसकी समाप्ति की तारीख से पूर्ववर्ती दो मास के भीतर की गई हो।”

(ii) पैरा 6 के दूसरे परंतुक का लोप किया जाए।

(ख) अनुभाग ट में, -----

(i) पैरा 5 के पश्चात्, निम्नलिखित पैरा को अंतः स्थापित किया जाए, अर्थात:-

“5क. प्रवीणता जांच -----

(क) परिवहन हेलीकॉप्टर पर समादेशक विमान चालक या सह विमान चालक के रूप में कार्य करने के लिए अनुज्ञप्ति धारक से अपेक्षा की गई है कि वह उड़ान किए जाने वाले टाइप हेलीकॉप्टर के बाबत समुचित प्रवीणता जो महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, की जांच कराए।

(ख) पैरा (क) के अनुसार की गई प्रवीणता जांच उस जांच की तारीख से छह मास की अवधि के लिए विधिमान्य होगी और इसका नवीकरण छह मास की और अवधि के लिए किया जा सकेगा।

(ग) नवीकरण की दशा में, विधिमान्यता की अवधि पूर्ववर्ती विधिमान्यता की समाप्ति की तारीख से आरंभ होगी परंतु यह तब जब कि यह जांच उसकी समाप्ति की तारीख से पूर्ववर्ती दो मास के भीतर की गई हो।”

(ii) पैरा 6 के तीसरे परंतुक का लोप किया जाए।

(ग) अनुभाग ठ में,-----

(i) पैरा 4 के उप-पैरा(घ) के स्थान पर, निम्नलिखित उप-पैरा को प्रतिस्थापित किया जाए,  
अर्थात:-

“(घ) उपकरण रेटिंग-----

अनुज्ञप्ति में कोई पृथक उपकरण रेटिंग उपबंधित नहीं है। उपकरण रेटिंग के विशेषाधिकार इस अनुज्ञप्ति के विशेषाधिकार में सम्मिलित हैं परंतु यह तब जब कि उपकरण रेटिंग उड़ान परीक्षण महानिदेशक के समाधान प्रद रूप में किए गए हों। उपकरण रेटिंग की विधिमान्यता और नवीकरण की शर्तें इस अनुसूची के अनुभाग ण में विहित की जाएं।”

(ii) पैरा 5 के पश्चात, निम्नलिखित पैरा को अंतः स्थापित किया जाए,  
अर्थात:-

“5क. प्रवीणता जांच-----

(क) परिवहन विमान जिसका संपूर्ण सर्वाधिक भार पांच हजार सात सौ किलोग्राम से अधिक है, के सह- विमान चालक के रूप में कार्य करने के लिए अनुज्ञप्ति धारक से अपेक्षा की जाती है कि वह उड़ान किए जाने वाले टाइप विमान के बाबत समुचित प्रवीणता जो महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, की जांच कराए।

(ख) पैरा (क) के अनुसार की गई प्रवीणता जांच उस जांच की तारीख से छह मास की अवधि के लिए विधिमान्य होगी और इसका नवीकरण छह मास की और अवधि के लिए किया जा सकेगा।

(ग) नवीकरण की दशा में, विधिमान्यता की अवधि पूर्ववर्ती विधिमान्यता की समाप्ति की तारीख से आरंभ होगी परंतु यह तब जब कि यह जांच उसकी समाप्ति की तारीख से पूर्ववर्ती दो मास के भीतर की गई हो।”

(iii) पैरा 6 (ग) के दूसरे परंतुक का लोप किया जाए।

(घ) अनुभाग ड में—

(i) पैरा 4 के उप-पैरा(ग) के स्थान पर, निम्नलिखित उप-पैरा को प्रतिस्थापित किया जाए,  
अर्थात:-

“(ग) उपकरण रेटिंग-----

अनुज्ञप्ति में कोई पृथक उपकरण रेटिंग उपबंधित नहीं है। उपकरण रेटिंग के विशेषाधिकार इस अनुज्ञप्ति के विशेषाधिकार में सम्मिलित हैं परंतु यह तब जब कि उपकरण रेटिंग उड़ान परीक्षण महानिदेशक के समाधान प्रद रूप में

किए गए हों। उपकरण रेटिंग की विधिमान्यता और नवीकरण की शर्तें इस अनुसूची के अनुभाग ७ में विहित की जाएं।”

(ii) पैरा 5 के पश्चात, निम्नलिखित पैरा को अंतः स्थापित किया जाए, अर्थात:-

“5क. प्रवीणता जांच-----

- (क) परिवहन विमान जिसका संपूर्ण सर्वाधिक भार पांच हजार सात सौ किलोग्राम से अधिक है, के समादेशक विमान चालक या सह- विमान चालक के रूप में कार्य करने के लिए अनुज्ञप्ति धारक से अपेक्षा की जाती है कि वह उड़ान किए जाने वाले टाइप विमान के बाबत समुचित प्रवीणता जो महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, की जांच कराए।
- (ख) पैरा (क) के अनुसार की गई प्रवीणता जांच उस जांच की तारीख से छह मास की अवधि के लिए विधिमान्य होगी और इसका नवीकरण छह मास की और अवधि के लिए किया जा सकेगा।
- (ग) नवीकरण की दशा में, विधिमान्यता की अवधि पूर्ववर्ती विधिमान्यता की समाप्ति की तारीख से आरंभ होगी परंतु यह तब जबकि यह जांच उसकी समाप्ति की तारीख से पूर्ववर्ती दो मास के भीतर की गई हो।”

(iii) पैरा 6 के दूसरे परंतुक का लोप किया जाए।

(ड.) अनुभाग ८ में-----

(i) पैरा 5 के पश्चात, निम्नलिखित पैरा को अंतः स्थापित किया जाए, अर्थात:-

“5क. प्रवीणता जांच, -----

- (क) परिवहन हेलीकॉप्टर पर समादेशक विमान चालक या सह विमान चालक के रूप में कार्य करने के लिए अनुज्ञप्ति धारक से अपेक्षा की जाती है कि वह उड़ान किए जाने वाले टाइप हेलीकॉप्टर के बाबत समुचित प्रवीणता जो महानिदेशक द्वारा विहित की जाए, की जांच कराए।
- (ख) पैरा (क) के अनुसार की गई प्रवीणता जांच उस जांच की तारीख से छह मास की अवधि के लिए विधिमान्य होगी और इसका नवीकरण छह मास की और अवधि के लिए किया जा सकेगा।
- (ग) नवीकरण की दशा में, विधिमान्यता की अवधि जांच पूर्ववर्ती विधिमान्यता की समाप्ति की तारीख से आरंभ होगी परंतु यह तब जबकि यह जांच उसकी समाप्ति की तारीख से पूर्ववर्ती दो मास के भीतर की गई हो।”

(ii) पैरा 6 के दूसरे परंतुक का लोप किया जाए।

(च) अनुभाग ण में, पैरा 2 के स्थान पर, निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात:-

“2. विधिमान्यता----- (क) यह रेटिंग उपकरण रेटिंग उड़ान परीक्षण की तारीख से बारह मास की अवधि के लिए विधिमान्य होगी।  
(ख) इसका नवीकरण समाप्ति की तारीख से बारह मास की और अवधि के लिए किया जा सकेगा परंतु यह तब जब कि उपकरण रेटिंग के परीक्षण समाप्ति की तारीख से पूर्ववर्ती दो मास के भीतर किया गया हो और नवीकरण के लिए अन्य अपेक्षाएं पूरी की गई हों।  
(ग) अन्य दशाओं में, रेटिंग के नवीकरण की विधिमान्यता उसके परीक्षण की तारीख से आरंभ होगी।”

(छ) अनुभाग त में, पैरा 2 के स्थान पर, निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया

जाए, अर्थात:-

“2. विधिमान्यता----- (क) यह रेटिंग उपकरण रेटिंग उड़ान परीक्षण की तारीख से बारह मास की अवधि के लिए विधिमान्य होगी।  
(ख) इसका नवीकरण समाप्ति की तारीख से बारह मास की और अवधि के लिए किया जा सकेगा परंतु यह तब जब कि उपकरण रेटिंग के परीक्षण समाप्ति की तारीख से पूर्ववर्ती दो मास के भीतर किया गया हो और नवीकरण के लिए अन्य अपेक्षाएं पूरी की गई हों।  
(ग) अन्य दशाओं में, रेटिंग के नवीकरण की विधिमान्यता उसके परीक्षण की तारीख से आरंभ होगी।”

[फा.सं ए.वी.11012/145/2015-ए]

अरूण कुमार, संयुक्त सचिव

**टिप्पण:-** मूल नियम तारीख 23 मार्च, 1937 की अधिसूचना संख्या वी-26 द्वारा सरकारी राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन तारीख 27 नवंबर, 2015 की अधिसूचना संख्या.सा.का.नि 909(अ), द्वारा किया गया।

## MINISTRY OF CIVIL AVIATION

### NOTIFICATION

New Delhi, the 5<sup>th</sup> February, 2016

**G.S.R. 157(E).**— The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published as required by section 14 of the said Act, for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after a period of thirty days from the date on which copies of the Gazette of India, in which this notification is published, are made available to the public;

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Director-General of Civil Aviation, Opposite Safdarjung Airport, New Delhi-110003;

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules after the expiry of the period specified above will not be considered by the Central Government.

**Draft rules**

1. (1) These rules may be called the Aircraft (Amendment) Rules, 2016.  
(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.
2. In the Aircraft Rules, 1937 (hereinafter referred to as the said rules), in Schedule II,—
  - (A) in Section J,—
    - (i) after para 5, the following para shall be inserted, namely:-

“5A.Proficiency Check—

      - (a) In order to act as a co-pilot of transport aeroplanes having an all-up weight exceeding five thousand seven hundred kilograms, the licence holder shall be required to undergo an appropriate proficiency check as specified by the Director-General, in respect of the type of aircraft to be flown.
      - (b) The proficiency check carried out as per para (a) shall be valid for a period of six months from the date of the check and shall be renewed for a further period of six months at a time.
      - (c) In the case of renewal, the period of validity shall commence from the date of expiry of the previous validity provided that the check has been carried out within two months preceding the date of expiry.”
    - (ii) the second proviso to para 6 shall be omitted.
  - (B) In Section K,—
    - (i) after para 5, the following para shall be inserted, namely:-

“5A.Proficiency Check—

      - (a) In order to act as a pilot-in-command or co-pilot on transport helicopters, the licence holder shall be required to undergo an appropriate proficiency check as specified by the Director-General, in respect of the type of helicopter to be flown.
      - (b) The proficiency check carried out as per para (a) shall be valid for a period of six months from the date of the check and shall be renewed for a further period of six months at a time.
      - (c) In the case of renewal, the period of validity shall commence from the date of expiry of the previous validity provided that the check has been carried out within two months preceding the date of expiry.”
    - (ii) the third proviso to para 6 shall be omitted.
  - (C) in Section L, —
    - (i) for sub-para (d) of para 4, the following sub-para shall be substituted, namely:-

“ (d) Instrument Rating—

No separate Instrument Rating is provided in the licence. The privileges of instrument rating are included in the privileges of this licence provided that the instrument rating flying tests have been carried out as per the conditions laid down by the Director-General. Conditions for validity and renewal of instrument rating shall be as are laid down in Section O of this Schedule.”

(ii) After para 5, the following para shall be inserted, namely:-

“5A.Proficiency Check—

- (a) In order to act as a co-pilot of transport aeroplanes having an all-up weight exceeding five thousand seven hundred kilograms, the licence holder shall be required to undergo an appropriate proficiency check as specified by the Director-General, in respect of the type of aircraft to be flown.
- (b) The proficiency check carried out as per para (a) shall be valid for a period of six months from the date of the check and shall be renewed for a further period of six months at a time.
- (c) In the case of renewal, the period of validity shall commence from the date of expiry of the previous validity provided that the check has been carried out within two months preceding the date of expiry.”

(iii) the second proviso to para 6 shall be omitted.

(D) in Section M, —

(i) for sub-para (c) of para 4, the following sub-para shall be substituted, namely:-

“(c) Instrument Rating—No separate Instrument Rating is provided in the licence. The privileges of instrument rating are included in the privileges of the licence provided that the instrument rating flying tests have been carried out as per the conditions laid down by the Director-General. Conditions for validity and renewal of instrument rating shall be as are laid down in Section O of this Schedule.”

(ii) after para 5, the following para shall be inserted, namely:-

“5A.Proficiency Check—

- (a) In order to act as a pilot-in-command or co-pilot of transport aeroplanes having an all-up weight exceeding five thousand seven hundred kilograms, the licence holder shall be required to undergo an appropriate proficiency check as specified by the Director-General, in respect of the type of aircraft to be flown.
- (b) The proficiency check carried out as per para (a) shall be valid for a period of six months from the date of the check and shall be renewed for a further period of six months at a time.
- (c) In the case of renewal, the period of validity shall commence from the date of expiry of the previous validity provided that the check has been carried out within two months preceding the date of expiry.”

(iii) the second proviso to para 6 shall be omitted.

(E) in Section N, —

(i) after para 5, the following para shall be inserted, namely:-

---

“5A.Proficiency Check—

- (a) In order to act as a pilot-in-command or co-pilot on transport helicopters, the licence holder shall be required to undergo an appropriate proficiency check as specified by the Director-General, in respect of the type of helicopter to be flown.
  - (b) The proficiency check carried out as per para (a) shall be valid for a period of six months from the date of the check and shall be renewed for a further period of six months at a time.
  - (c) In the case of renewal, the period of validity shall commence from the date of expiry of the previous validity provided that the check has been carried out within two months preceding the date of expiry.”
- (ii) the second proviso to para 6 shall be omitted.

(F) in Section O, for para 2, the following shall be substituted, namely: —

- “2.Validity—(a) The rating shall be valid for a period of twelve months from the date of the instrument rating flying test.
- (b) It shall be renewed for a further period of twelve months at a time from the date of expiry provided that the instrument rating flying test has been carried out within two months preceding the date of expiry and all other requirements for renewal are met.
  - (c) In other cases, the validity of renewal of the rating shall commence from the date of the test.”

(G) in Section P, for para 2 the following shall be substituted, namely:-

- “2.Validity— (a) The instrument rating shall be valid for a period of twelve months from the date of the instrument rating flying test.
- (b) It shall be renewed for a further period of twelve months at a time from the date of expiry provided that the instrument rating flying test has been carried out within two months preceding the date of expiry and all other requirements for renewal are met.
  - (c) In other cases, the validity of renewal of the rating shall commence from the date of the test.”

[F.No.AV11012/145/2015-A]

ARUN KUMAR, Jt. Secy.

Note:- The principal rules were published in the Gazette of India, *vide* notification number V-26, dated the 23<sup>rd</sup> March, 1937 and last amended *vide* notification number GSR.909 (E), dated the 27<sup>th</sup> November, 2015.